Maintaining decorum and allowing smooth functioning of the House

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, इस संसद की, इस सदन की श्रेष्ठ परम्परायें रही हैं, उच्च परम्परायें रही हैं, उच्च मर्यादा रही है, लेकिन आप जिस तरीके का व्यवहार कर रहे हैं, जिस तरीके का आचरण कर रहे हैं, वह हमारे लोकतंत्र के लिए शोभा नहीं देता। मैं आप सबसे पुन: आग्रह करता हूं कि सदन की गरिमा, मर्यादा, उच्च परम्परायें बनाना हम सबकी जिम्मेदारी है। हम सबको लोगों ने चुनकर इसलिए भेजा है कि उनके अभाव, उनकी अभिव्यक्ति, उनकी भावनाओं को सदन में रखें। आप यहां नारेबाजी करते हैं, प्लेकार्ड लगाते हैं, माननीय मंत्री जी के आगे प्लेकार्ड लगाते हैं, कोई माननीय सदस्य वेल में आकर स्पीकर से चर्चा करना चाहते हैं, यह तरीका उचित नहीं है और यह संसदीय परम्पराओं के अनुरूप भी नहीं है। इन संसदीय परम्पराओं को, जो श्रेष्ठ रही हैं, पूरा देश आपके इस आचरण को देख रहा है। आप इसे कहां ले जाना चाहते हैं? अच्छी चर्चा करिए, संवाद करिए। मैं हर मुद्दे पर आपको पर्याप्त समय, पर्याप्त मौका दूंगा, लेकिन यह व्यवहार उचित नहीं हैं। आपका यह व्यवहार संसदीय परम्पराओं के अनुरूप नहीं है। हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं। आप यहां पर क्या व्यवहार कर रहे हैं? पूरा देश आपको देख रहा है।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अगर आप इसी तरीके का व्यवहार करेंगे, आचरण करेंगे तो मैं सदन इस तरीके से चलाने वाला नहीं हूं।

_____

माननीय अध्यक्ष : सदन की कार्यवाही दो बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

11.07 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Fourteen of the Clock.

14.00 hrs

The Lok Sabha re-assembled at Fourteen of the Clock.

(Dr. (Prof.) Kirit Premjibhai Solanki *in the Chair*)